

नई दुनिया



# इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैचों को श्रृंखला के लिए कसरत करने के लिए एक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिष्ठित सेंटर आफ एक्सिलेंस (सीओई) में होने वाला यह फिटनेस टेस्ट विराट के इंग्लैंड दौरे पर भागीदारी के लिए निर्णायक साबित होगा, जिसकी पुष्टि बीसीसीआई के सूत्रों ने की है। विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल

में रायल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक अविश्वसनीय और यादगार जीत दिलाई थी, उसी मैच के दौरान हेमिंग्टिंग को चोट से जूझ रहे थे। उनकी शानदार नाबाद 75 रन की पारी ने भले ही आरसीबी को खिताब दिलाया, लेकिन इस चोट ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला से बाहर रहने पर मजबूर कर दिया था। यह चोट खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में खिलाड़ियों को प्रभावित कर सकती है और विराट जैसे शीर्ष खिलाड़ी के लिए इसका समय बहुत ही नाजुक था। वर्तमान में, विराट लंदन में अपनी चोट से उबरने और गहन रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को पूरा करने में व्यस्त हैं, जहां वह विशेषज्ञों की निगरानी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोहली बहुत जल्द बीसीसीआई के सीओई में अपनी फिटनेस

जांच के लिए रिपोर्ट करेंगे। भारतीय टीम में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब वह इस फिटनेस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे। कोहली का अनुभव, उनकी मौजूदा फार्म और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता टीम इंडिया के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इंग्लैंड जैसी मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ। उनकी अनुपस्थिति टीम के मध्यक्रम में अनुभव और स्थिरता की कमी महसूस करा सकती है, यही कारण है कि चयनकर्ता उनके फिटनेस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अजीत अगारकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन करना है। यह चयन न केवल खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित होगा बल्कि उनकी शारीरिक फिटनेस पर भी उतना ही

निर्भर करेगा, जैसा कि विराट के मामले में देखा जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अगले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट, जैसे कि संभावित टी20 विश्व कप या चैंपियंस ट्रॉफी, से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ, प्रमुख खिलाड़ियों के फार्म और टीम संयोजन का आकलन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। बीसीसीआई सीओई खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जहां चोटिल खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर काम करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने की तैयारी करते हैं। खिलाड़ियों को चोट से उबरने की प्रक्रिया को बीसीसीआई द्वारा बहुत गंभीरता से लिया जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पूरी तरह से फिट होकर ही मैदान पर उतरें और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें।

न्यूज़ ब्रीफ

कायरन पोलार्ड टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

इलास (अमेरिका)। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यू यार्क से खेलते हुए दिग्गज खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। पोलार्ड टी-20 क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अपने हमवतन दिग्गज

क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। पोलार्ड ने एमएलसी 2026 में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इस शतकीय पारी के बाद पोलार्ड के टी-20 क्रिकेट में कुल रन 14,582 हो गए, जबकि क्रिस गेल के नाम 14,562 रन दर्ज हैं। इस तरह पोलार्ड टी20 क्रिकेट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इन दोनों खिलाड़ियों के बाद एलेक्स हेल्स (14,449), जोस बटलर (14,371), डेविड वार्नर (14,284) और विराट कोहली (14,218) के नाम हैं। हालांकि, मुकाबले में पोलार्ड की ऐतिहासिक पारी उनकी टीम को जीत नहीं दिला सकी। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम ने पांच विकेट पर 245 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में एमआई न्यू यार्क की टीम निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 215 रन ही बना सकी और मुकाबला 30 रन से हार गई। पोलार्ड सिर्फ रन बनाने के मामले में ही नहीं, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अपने करियर में 736 टी20 मुकाबले खेले हैं, जो इस फार्मेट में एक रिकार्ड है। उनके नाम दो शतक और 67 अर्धशतक शामिल हैं। पोलार्ड इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा टी20 मैच खेले हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान पोलार्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अब भी सक्रिय हैं। हालांकि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेलते हैं। मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेलने वाले पोलार्ड आईपीएल से भी संन्यास ले चुके हैं और फिलहाल टीम के बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

महिला टी20 विश्व : पाकिस्तान और नीदरलैंड बाहर हुईं, भारतीय टीम का पहुंचना तय



लंदन। पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले हारने के साथ ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप ए से केवल भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं लीग मैचों के आधे पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते दो टीमों का सफर समाप्त हो गया है। ग्रुप ए से पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीमों को बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही ये टीमें बाहर हो गयीं। इन हारों के साथ ही पाकिस्तान और नीदरलैंड दोनों टीमों अपने तीन-तीन लीग मैच हारें। उसके दो-दो मुकाबले अभी बाकी हैं पर अब वह छह अंकों के सेमीफाइनल क्वालीफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाएंगी। वहीं ग्रुप ए की अंक्तालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलिया ने तीन में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ लगभग सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया है जबकि भारतीय टीम अपने दो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

मौजूदा फुटबाल विश्व कप में गोल की बौखार, 1958 के बाद सबसे तेजी से पूरा हुआ 100 गोल का आंकड़ा

हुआस्टन। फीफा विश्व कप 2026 का खुमार पूर्ण दुनिया पर छा चुका है। मौजूदा टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के चुरे चुरे आधे मैच हो चुके हैं और धीरे-धीरे नाकआउट की तस्वीर साफ हो रही है। मौजूदा फुटबाल विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। इस टूर्नामेंट में गोलों की ऐसी बरसात हो रही है कि इसने पिछले 68 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। 2026 का यह विश्व कप साल 1958 के बाद से सबसे तेजी से 100 गोल के आंकड़े तक पहुंचने वाला टूर्नामेंट बन गया है। इस ऐतिहासिक मुकाम को टूर्नामेंट के महज 33वें मैच में ही हासिल कर लिया गया। काडी गैवपो के गोल से पूरा हुआ शतक फीफा विश्व कप के 33वें मैच में नीदरलैंड का सामना स्वीडन से हुआ। इस मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से शिकस्त दी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से तीसरा गोल करते ही लिवरपूल के फारवर्ड खिलाड़ी काडी गैवपो ने इतिहास रच दिया। उनका यह गोल इस टूर्नामेंट का 100वां गोल (शतक) साबित हुआ। इस समय अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस विश्व कप में प्रति मैच औसतन 3.09 गोल हो रहे हैं।

# फीफा विश्व कप ट्रॉफी की चोरी का रहस्य, 7 दिन बाद जासूस कुत्ते ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित फुटबाल टूर्नामेंट माना जाता है और इसकी ट्रॉफी खेल जगत की सबसे अनमोल धरोहरों में गिनी जाती है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी आया था जब विश्व कप की असली ट्रॉफी चोरी हो गई थी और उसे खोजने में पुलिस नहीं, बल्कि एक जासूस कुत्ते ने अहम भूमिका निभाई थी। यह घटना वर्ष 1966 की है, जब इंग्लैंड फीफा विश्व कप की मेजबानी की तैयारियों में जुटा हुआ था। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ महीने पहले लंदन में आयोजित एक प्रदर्शनी में विश्व कप की मूल ट्रॉफी, जिसे उस समय जूलस रिमेट ट्रॉफी कहा जाता था, लोगों के प्रदर्शन के लिए रखी गई थी। इसी दौरान अज्ञात चोर ट्रॉफी को चुरा ले गए। ट्रॉफी के गायब होने की खबर फैलते ही इंग्लैंड में हड़कंप मच गया। स्काटलैंड यार्ड की पुलिस और फीफा अधिकारियों ने व्यापक स्तर पर जांच शुरू की, लेकिन कई दिनों की खोजबीन के बाद भी ट्रॉफी का कोई सुरांग नहीं मिल सका। ट्रॉफी की चोरी से इंग्लैंड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना होने लगी। पुलिस की तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो रही थीं। तभी इस कहानी में पिकल्स नाम के एक साधारण कुत्ते की एंट्री हुई। चोरी के सात दिन बाद पिकल्स अपने मालिक के साथ दक्षिण लंदन के एक इलाके में टहल रहा था। इसी दौरान उसकी नजर झाड़ियों में रखे एक संधिध पैकेट पर पड़ी। कुत्ता लगातार भौंकने लगा, जिससे उसके मालिक का ध्यान उस ओर गया। जब मालिक ने पास जाकर देखा तो वह हैरान रह गया। झाड़ियों के बीच अखबार में लिपटी हुई वही विश्व कप ट्रॉफी रखी हुई थी, जिसकी तलाश पूरी दुनिया कर रही थी। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी और ट्रॉफी अधिकारियों को सौंप दी गई। इस तरह विश्व फुटबाल की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर सुरक्षित वापस मिल गई। ट्रॉफी की बरामदगी के बाद पिकल्स रातों-रात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गया। मीडिया में उसकी खूब चर्चा हुई और उसे एक राष्ट्रीय नायक की तरह सम्मान मिला। बाद में जब इंग्लैंड ने 1966 का विश्व कप जीतकर इतिहास रचा, तब विजय समारोह के विशेष रात्रिभोज में पिकल्स को भी सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अनोखी घटना ने साबित कर दिया कि कभी-कभी बड़े से बड़ा रहस्य सुलझाने में इंसानों से ज्यादा योगदान एक वफादार जानवर भी दे सकता है।



मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग : सेमीफाइनल की रस हुई रोमांचक, इंदौर के होल्कर स्टेडियम में दो बड़े मुकाबले

इंदौर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है। लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए टीमों के बीच खींचतान तेज हो गई है। रविवार, 21 जून को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले जाने वाले दो मुकाबले प्लेआफ की दौड़ का गणित बदल सकते हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद जबलपुर रायल लायंस के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। 18 अंकों के साथ जबलपुर टीम टाफ-4 में अपनी स्थिति और मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। टीम के मुख्य बल्लेबाज अजय रहेरा शानदार फार्म में हैं, जिन्होंने 7 मैचों में 440 रन बनाए हैं। वहीं, सातवें स्थान पर संघर्ष कर रही ग्वालियर चीता के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है। ग्वालियर की उम्मीद आरजुन कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे पार्थ चौधरी (420 रन) और कप्तान रजत पाटीदार के कंधों पर टिकी होगी। दिन का दूसरा मुकाबला अंक तालिका में पिछड़ी हुई दो टीमों - बुंदेलखंड बुल्स और उज्जैन फाल्कन्स के बीच होगा। दोनों ही टीमों को सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। बुंदेलखंड बुल्स के कप्तान अभिषेक पाठक और उनके गेंदबाज कुलदीप सेन पर जिम्मेदारी होगी, जबकि उज्जैन फाल्कन्स की टीम में कप्तान चंचल राठौड़ और बल्लेबाज शुभम कुशवाहा पर निगाहें रहेंगी। होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जा रही है, जहां इस सीजन में लगातार 200 से अधिक का स्कोर देखने को मिला है। विशेषज्ञों के अनुसार, ओस की कमी और दिन के समय की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए टास जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकता है। लीग में चंबल घड़ियाल पहले ही 16 अंकों के साथ अपनी धाक जमा चुकी है, जबकि बाकी टीमों के बीच दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। टूर्नामेंट के अंतिम पड़ाव में अब नेट रन रेट की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है।

# अंधेरे दौर में पत्नी बनीं सहारा, श्रीसंत ने सुनाई संघर्ष और विश्वास की भावुक कहानी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत का जीवन उतार-चढ़ाव, सफलता, विवाद और संघर्ष से भरी एक ऐसी कहानी है, जो किसी फिल्म की पटकथा से कम नहीं लगती। मैदान पर अपनी आक्रामक गेंदबाजी और जुझारू अंदाज के लिए पहचान बनाने वाले श्रीसंत को वर्ष 2013 में सामने आए आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग मामले ने गहरे संकट में धकेल दिया था। इस विवाद ने न केवल उनके क्रिकेट करियर को प्रभावित किया, बल्कि निजी जीवन में भी उन्हें कठिन मानसिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में श्रीसंत ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि उनकी पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी का साथ ही उन्हें टूटने से बचा सका।

वर्ष 2013 में आईपीएल के दौरान दिल्ली पुलिस ने श्रीसंत को अजीत चंडीला और अंकित चव्हाण के साथ स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया, जबकि उनकी टीम राजस्थान रायल्स ने भी उनसे दूरी बना ली। अचानक आए इस संकट ने श्रीसंत को आर्थिक रूप से बेहद कमजोर कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि जेल में बिताए गए दिनों के दौरान कई बार उनके मन में जीवन समाप्त करने जैसे विचार भी आए।

श्रीसंत ने बताया कि ऐसे कठिन समय में उनकी तत्कालीन प्रेमिका और वर्तमान पत्नी भुवनेश्वरी ने उन्हें लगातार हिम्मत दी। उन्होंने



कहा कि वर्ष 2010 में उन्होंने भुवनेश्वरी से वादा किया था कि यदि भारत 2011 का एकदिवसीय विश्व कप जीता है तो वे उनसे विवाह करेंगे। यही वादा और उनके प्रति जिम्मेदारी का भाव उन्हें हर मुश्किल घड़ी में संभालता रहा। उन्होंने अपनी प्रेम कहानी का भी जिक्र किया। पहली मुलाकात एक विद्यालय कार्यक्रम में हुई थी, जहां वे मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। इसके बाद दोनों की कई मुलाकातें हुईं और समय के साथ उनका रिश्ता

मजबूत होता गया। दिलचस्प बात यह रही कि उनकी सगाई उस समय हुई जब वे जमानत पर जेल से बाहर आए थे। इससे पहले वर्ष 2012 में भी श्रीसंत गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ चुके थे। पैर के अंगूठे की सर्जरी के बाद डाक्टरों ने उन्हें स्थायी शारीरिक नुकसान की आशंका जताई थी। उस समय भी भुवनेश्वरी और उनके परिवार ने उनका साथ नहीं छोड़ा।

महिला वॉलीबाल नेशंस लीग



फीलीपींस में महिला वॉलीबाल नेशंस लीग में खेलती हुई डोमिनिक रिपब्लिक टीम की खिलाड़ी।

# इरा एरी भारतीय मूल की आस्ट्रेलियन क्रिकेटर, बनीं सोशल मीडिया की नई सनसनी

नई दिल्ली

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बीच भारतीय मूल की आस्ट्रेलियन क्रिकेटर इरा एरी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, यह चर्चा उनके क्रिकेटिंग कौशल से अधिक उनकी असाधारण खूबसूरती और करिश्माई व्यक्तित्व को लेकर है। इरा एरी ने आस्ट्रेलिया के जूनियर क्रिकेट सर्किट में पहले ही अपनी दमदार छाप छोड़ी है और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें जल्द ही आस्ट्रेलियाई महिला सीनियर टीम में खेलने का मौका मिल सकता है। जबकि आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताब की प्रवल दावेदारों में से एक है और उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी दमदार शुरुआत भी की है, इसी बीच आस्ट्रेलिया की एक युवा जूनियर क्रिकेटर अचानक सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगी हैं। इस महिला क्रिकेटर का नाम है इरा एरी, जो अपनी सुंदरता और खेल दोनों के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। इरा एरी भारतीय



मूल की आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं, और उनकी उपस्थिति ने युवा महिला क्रिकेटर्स के प्रति प्रशंसकों की रुचि को और बढ़ा दिया है। 17 साल की इरा को अभी तक आस्ट्रेलिया की महिला सीनियर टीम में डेब्यू का मौका नहीं मिला है, लेकिन उनकी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए

इसकी जल्द ही उम्मीद की जा रही है। वह आस्ट्रेलिया के क्रिकेट भविष्य का एक उज्वल सितारा मानी जा रही हैं। बता दें कि इरा इन दिनों अपनी टीम से ज्यादा अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर इरा की कई सारी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं,

जिससे प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही है। ऐसे में क्रिकेट फैंस भी यह जानना चाह रहे हैं कि भारतीय मूल की यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कौन हैं, जो मैदान और आफ-फील्ड दोनों जगह जलवा बिखेर रही हैं। इरा का जन्म विक्टोरिया के हाइडेलबर्ग में हुआ था। वह एक दाएं हाथ की मीडियम पेसर हैं और कुशल बैटर हैं, जो उन्हें एक बहुमुखी आलराउंडर बनाती हैं।

इरा ने बहुत छोटी उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और जल्द ही अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित किया। इरा को आस्ट्रेलिया की उभरती हुई महिला क्रिकेटर कहा जा रहा है, और जूनियर टीम में उनके दमदार प्रदर्शन के कारण अब सीनियर टीम में उनके डेब्यू की बात जोर पकड़ रही है। उनका खेल का तरीका और समर्पण उनकी उम्र के हिसाब से काफी परिपक्व है। इरा के प्रदर्शन की बात करें तो आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच हाल ही में हुई अंडर-19 ट्राई-

सीरीज में वह अपनी गेंदबाजी को लेकर विशेष रूप से चर्चा में रही थीं। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी बनीं थीं, उन्होंने कुल 13 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी काबिलियत और लगातार अच्छी बॉलिंग ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को बहुत प्रभावित किया है, जो उन्हें भविष्य की एक बड़ी संभावना के रूप में देख रहे हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ, इरा एरी सोशल मीडिया पर क्रश बन गई हैं। फैंस उनकी खूबसूरती, फिटनेस और खेल के अनोखे अंदाज के दीवाने हो गए हैं। कुछ फैंस तो उनकी तुलना आस्ट्रेलियाई स्टार आदरराउंडर एलिस पेरी से भी कर रहे हैं, जो अपनी प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इरा अपने अद्वितीय टैलेंट और कड़ी मेहनत के दम पर अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं और उन्हें किसी और से तुलना किए बिना, एक स्वतंत्र खिलाड़ी के रूप में देखा जाना चाहिए।